3. संविधान निर्माण

प्रश्न: संविधान किसे कहते है ?

उत्तर: एक ऐसे सभी बुनियादी नियमों एवं कानून की किताब जिसके द्वारा किसी देश की सरकार चलायी जाती है संविधान कहलाता है | इसका पालन सरकार एवं नागरिकों दोनों को करना होता है |

प्रश्न: रंगभेद की निति से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: रंगभेद की नीति नस्ली भेदभाव पर आधारित उस व्यवस्था को कहते हैं जो विशिष्ट तौर पर दक्षिणी अफ्रीका में 1948 से 1994 के बीच चलाई गई थी |

प्रश्न: संविधान-संशोधन से आप क्या समझते है ?

उत्तर: समय-समय पर संविधान में जो परिवर्तन लाया जाता है उसे संविधान-संशोधन कहते हैं|

प्रश्न: पंथ-निरपेक्षता या धर्म-निरपेक्षता से आपका क्या तात्पर्य है ?

उत्तर: पंथ-निरपेक्षता या धर्म-निरपेक्षता वह विचारधारा है जिसके अंतर्गत धर्म या पंथ के आधार पर कोई राज्य किसी भी अपने नागरिक को विशेष अधिकार नहीं देती |

प्रश्न: भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य है | कैसे ?

उत्तर: भारत एक धर्म निरपेक्ष राज्य है | भारतीय संविधान के अनुसार यहाँ किसी भी धर्म, पंथ, जाती या जन-समूह कोई कोई विशेष अधिकार प्राप्त नहीं है |

(i) सबको पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता और समानता प्रदान की गई है |

(ii) कोई व्यक्ति अपनी इच्छानुसार किसी भी समय पंथ बदलकर दुसरे पंथ में जा सकता है |

(iii) कोई भी पंथ अपना धर्म स्थल, पूजा स्थल स्वतंत्र रूप से बना सकता है और उसे किसी भी तरह उपासना करने की स्वतंत्रता है |

(iv) सरकारी नौकरियाँ योग्यता के अनुसार दी जाती है उसमें धर्म या पंथ का कोई भेदभाव नहीं है |

प्रश्न: भारतीय संविधान की प्रस्तावना में कौन से चार मुख्य आदर्श दिए गए हैं ?

उत्तर: जिस प्रकार हर पुस्तक से पहले भूमिका लिखी होती है | उसी प्रकार हर संविधान में शुरू होने से पहले प्रस्तावना होता है | इससे पता चलता है कि संविधान के निर्माता क्या चाहते हैं या उनके द्वारा बनाये गए इस संविधान का क्या उद्देश्य है |

भारतीय संविधान के आरम्भ में दी गयी प्रस्तावना में राज्य के उदेश्यों और आदर्शों पर प्रकाश डाला गया है | इसके चार प्रमुख आदर्श इस प्रकार है :

(i) भारत को एक सार्वभौमिक या प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य बनाना |

(ii) यहाँ समाजिक, आर्थिक एवं राजनितिक न्याय स्थापित करना |

(iii) विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रदान करना |

(iv) प्रतिष्ठा और अवसर की क्षमता प्रदान करना |

प्रश्न: हमें संविधान की आवश्यकता क्यों है ?

अथवा

प्रश्न: संविधान के द्वारा ही किसी लोकतांत्रिक देश की सरकार का निर्माण होता है | कोई तीन विन्दु देकर स्पष्ट कीजिए कि हमें संविधान की आवश्यकता क्यों है ?

उत्तर:

(i) सरकार के विभिन्न अंगों में संविधान के कारण मतभेद नहीं होते हैं | यदि मतभेद होते भी है तो उसे संविधान के अनुसार सुलझा लिया जाता है |

(ii) सरकार अपनी शक्तियों का दुरूपयोग नहीं कर सकती है |

(iii) नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा संविधान के द्वारा ही होता है |

प्रश्न: भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है ? स्पष्ट कीजिए |

अथवा

प्रश्न: भारतीय संविधान एक जीवित आलेख है | कैसे ?

उत्तर: भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है क्योंकि इसमें समय की गति को देखते हुए इसके कुछ भागों को बदलने की प्रक्रिया है | हम जब चाहे अपने संविधान को बदल सकते है इसमें संसोधन कर सकते है | यही कारण है कि इसे एक जीवंत दस्तावेज कहा है |

प्रश्न: हम जब चाहे अपने संविधान को बदल सकते हैं | इस प्रक्रिया को क्या कहते है ?

उत्तर: संविधान-संशोधन |

प्रश्न: उन तीन प्रक्रियाओं का वर्णन करो जिससे संविधान में संशोधन होता है ?

उत्तर:

(i) संसद में उपस्थित मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से प्रस्ताव पास कर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पश्चात् संविधान में संशोधन किया जा सकता है |

(ii) मतदान करने वाले दो तिहाई सदस्यों का बहुमत प्राप्त हो तथा राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से संशोशन किया जा सकता है |

(iii) मतदान करने वाले दो तिहाई सदस्यों का बहुमत के अलावा कुल राज्यों की 50 प्रतिशत विधायिकाओं का बहुमत से संशोधन किया जा सकता है |

प्रश्न: संघीय सरकार से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: भारतीय संविधान में शासन चलाने के लिए दो प्रकार की सरकारों की व्यवस्था है एक केन्द्रीय सरकार और दूसरी राज्य सरकारें जो मिलकर भारत संघ का निर्माण करती हैं | इस प्रकार की व्यवस्था को संघीय सरकार कहते हैं |

प्रश्न: राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत से आप क्या समझते हैं |

उत्तर: भारतीय संविधान की वह सिद्धांत जो केंद्र और राज्य सरकारों के लिए पथ-प्रदर्शन का कार्य करते हैं | राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत कहलाते हैं |

प्रश्न: संविधान-सभा क्या है ?

उत्तर: जनप्रतिनिधियों की वह सभा जो संविधान लिखने का काम करती है संविधान सभा कहलाती है |

प्रश्न: संविधान की प्रस्तावना या उदेश्यिका के आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: संविधान की शुरुआत बुनियादी मूल्यों की एक छोटी-सी उदेश्यिका के साथ होती है जिसमें संविधान के उदेश्य लिखे होते हैं | इसे ही संविधान की प्रस्तावना या उदेश्यिका कहते हैं |

प्रश्न: संविधान सभा की पहली बैठक कब हुई ?

उत्तर: 9 दिसंबर 1946 को |

प्रश्न: संविधान निर्माण के कितने दिन लगे थे ?

उत्तर: 2 वर्ष 11 महीने 28 दिन लगे थे |

प्रश्न: संविधान लिखने वाली सभा में कितने सदस्य थे ?

उत्तर: 299 सदस्य थे |

प्रश्न: संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे ?

उत्तर: डॉ0 राजेंद्र प्रसाद |

प्रश्न: प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे ?

उत्तर: डॉ0 भीम राव अम्बेडकर |

प्रश्न: संविधान सभा को मिनी भारत (लघु भारत) क्यों कहा जाता है ?

उत्तर: संविधान सभा में भारत के सभी धर्मों तथा सभी समाज के लोगों को प्रतिनिधित्व दिया गया था | यही कारण है कि संविधान सभा को लघु भारत कहा जाता है |